

2/11/21

प्रजावणी पर 138 L.R.A.C.T. के विचारों एवं प्रस्तावना-
 पत्र का प्रकाशन किया गया। प्रस्तावना पर
 अन्तर्गत धारा 138 L.R.A.C.T. तहत विचारणीय
 नहीं है अतः प्रस्तावना पर स्वामीजी द्वारा
 जारी है। प्रजावणी प्रकाशन शुभ हो।
 का प्रतीक सचनीय प्रकाश 138
 प्रकाश है।

सत्यमेव जयते

दृष्ट हो

Web Copy - Not Official

